डाक संवाद

दिसंबर, 2025

भारतीय डाक
डाक सेवा-जन सेवा

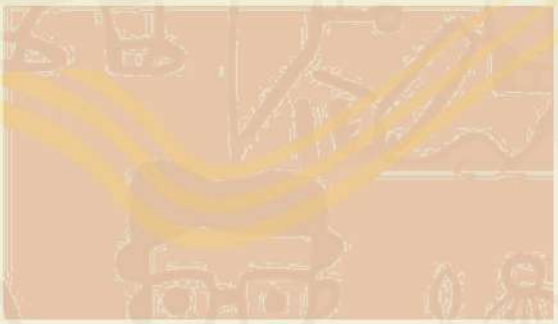

India Post
Dak Sewa-Jan Sewa

अभिकल्पना एवं संकलन - विपणन प्रभाग

सफ़र

पृष्ठ संख्या

1 माननीय मंत्री जी का संदेश

2
- बालिका सशक्तीकरण : 20,000 सुकन्या समृद्धि योजना खाते खोले गए
- डाक सेवा कर्मचारी कल्याण बोर्ड की 13वीं बैठक

3 भारतीय डाक के लिए नया मार्ग प्रशस्त करना

4
- भारत-फिलीपींस: विश्वास की मुहर
- भारत ने एपीपीयू महासचिव पद के लिए अपनी उम्मीदवारी पेश की

5 नई पीढ़ी के (जेन ज़ी-रेडी) डाकघर

6
- वंदे मातरम् के 150 वर्ष
- नशामुक्त भारत अभियान
- संविधान का सम्मान

पृष्ठ संख्या

7
- आईएमएस कार्यशाला: डाक बीमा का आधुनिकीकरण
- आईएफएफआई 2025 में डाक-टिकटों के माध्यम से भारतीय सिनेमा का उत्सव मनाया गया

8 द्वार पर डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र संबंधी सेवाएं प्रदान करने के लिए आईपीपीबी द्वारा ईपीएफओ के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए

9
- स्वास्थ्य-सेवाओं को मजबूत बनाना : भारतीय डाक ने एनएचएम झारखंड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं
- प्रत्येक बच्चे के लिए एक समावेशी और कनेक्टिड भविष्य

10 स्वच्छता पखवाड़ा

11 डाक नायक

12 विशेष सुविधा

13 फिलैटली कॉर्नर

21 हाइलाइट्स

Message from Hon'ble Minister

संचार मंत्रालय
MINISTRY OF
COMMUNICATIONS

माननीय संचार मंत्री का संदेश

नमस्कार!

प्रत्येक दिन लाखों जिंदगियों को छूने वाले भारतीय डाक के लिए नवम्बर माह नए उद्देश्यों और प्रगति का माह रहा है। जैसे-जैसे हम विकसित भारत की राह में आगे बढ़ रहे हैं, भारतीय डाक देश के संचार और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के आधारस्तंभ के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए प्रत्येक नागरिक के लिए आवश्यक सेवाओं की सुलभता सुनिश्चित कर रहा है। समस्त डाक विभाग में जारी आमूलचूल परिवर्तन की प्रक्रिया; दक्षता, गरिमा और विश्वास के साथ विश्व स्तरीय सेवाएं डिलीवर करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को प्रतिबिम्बित करती है।

इस माह, विशेष अभियान 5.0 के तहत हमारे प्रयासों में सामूहिक कार्रवाई की शक्ति परिलक्षित हुई है। लगभग 1.30 लाख से भी अधिक स्थानों पर हजारों स्वच्छता और दक्षता अभियान आयोजित किए गए, जन शिकायतों का तेजी से निस्तारण किया गया, और तमाम महत्वपूर्ण प्रशासनिक सुधार किए गए। ये सुधार मात्र एक प्रक्रिया नहीं बल्कि उससे कहीं बढ़कर हैं, क्योंकि ये नागरिकों को सेवाओं की डिलीवरी में प्रत्यक्ष रूप से सुधार करती हैं और हमारे संस्थानों की अनुक्रियाशीलता को बेहतर बनाते हैं। 17,000 से भी अधिक पुरानी फाइलों का निस्तारण, 23,287 वर्गफुट की सरकारी जमीन को मुक्त करना, तथा कबाड निस्तारण प्रक्रिया के माध्यम से राजस्व अर्जित करना; यह सारी चीजें पारदर्शी और उत्तरदायी शासन की ओर हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

इसके अलावा, विभाग द्वारा डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र अभियान के जरिए वरिष्ठ नागरिकों के लिए शुरू किया गया आउटरीच अभियान भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के माध्यम से जीवन प्रमाण सेवाओं को पेंशन भोगियों के द्वार तक ले जाकर हमने सुलभ, समावेशी और सहानुभूतिपूर्ण शासन व्यवस्था के प्रति अपने दीर्घकालिक विश्वास की पुनर्पुष्टि की है। 2.25 लाख से भी अधिक डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्रों का निर्गम भारतीय डाक पर नागरिकों के अटूट विश्वास का शानदार प्रतीक है। यह "डाक सेवा, जन सेवा" की भावना को कायम रखने वाले हमारे कार्मिकों के सेवाभाव का भी द्योतक है।

इस माह की सबसे बड़ी उपलब्धि युवा भारत के साथ हमारा जुड़ाव है। आईआईटी दिल्ली और दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्तरी परिसर में अपग्रेडेड डाकघरों की स्थापना आधुनिक तथा डिजिटल कार्यस्थलों के युग का प्रतीक हैं और नई पीढ़ी (ज़ेन-जी) की आकांक्षाओं के अनुरूप हैं। ये अपग्रेडेड डाकघर देशभर में परिसर-आधारित सुविधाओं के नवीनीकरण संबंधी बृहत राष्ट्रव्यापी प्रयासों की शुरूआत की ओर संकेत करते हैं। इससे यह सुनिश्चत होगा कि विद्यार्थीगण भारतीय डाक को समकालिक, प्रौद्योगिकी-समर्थित सेवा प्रदाता के रूप में देखें।

हमने डाक सेवा ऐप के शुभारंभ के जरिए डिजिटल सेवाओं के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम भी आगे बढ़ाया है। इस एकीकृत प्लेटफॉर्म के जरिए अब सभी डाक सेवाएं नागरिकों को उनकी उंगलियों पर उपलब्ध होंगी। यह पहल 'सभी के लिए सेवाओं की सुलभता', 'डिजिटल सशक्तिकरण' और 'झंझटमुक्त सेवा अनुभव' के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। जैसे-जैसे देश अभूतपूर्व रूप से डिजिटल सेवाओं को अपना रहा है, भारतीय डाक नवोन्मेष और समावेशिता के बल पर नेतृत्वकारी भूमिका निभाने के प्रति अपने संकल्प को और अधिक मजबूत कर रहा है।

विभाग ने सेवा डिलीवरी से परे, अपने संचार और संपर्क ढांचे को भी सुदृढ़ किया है ताकि यह सुनिश्चत किया जा सके कि नागरिकगण जानकार बनें, जुड़े रहें और सशक्त हों। भारतीय डाक, सरकार के समस्त अभियानों को आगे बढ़ाने, साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने, सांस्कृतिक पहलों का प्रचार-प्रसार करने, और सरकारी कार्यक्रमों को सीधे लोगों तक पहुंचाने के लिए 'दूरसंचार विभाग', 'उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास विभाग', 'ग्रामीण विकास मंत्रालय', 'संस्कृति मंत्रालय' और 'आई4सी' के साथ निकट समन्वय स्थापित कर कार्य कर रहा है। हम अपनी नवीनीकृत संचार रणनीति और एसओपी के माध्यम से यह सुनिश्चत कर रहे हैं कि हमारी संदेशन प्रक्रिया बहुभाषी, नागरिक केंद्रित और रियल-टाइम फीडबैक पर आधारित हो। वहीं दूसरी ओर हम 'पीआईबी', 'माय गॉव' तथा 'इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय' के साथ नजदीकी समन्वय स्थापित कर 'गलत सूचनाओं से निपटने' की अपनी क्षमता को मजबूत कर रहे हैं और हमारी डिजिटल उपस्थिति मजबूत कर रहे हैं। हमारे सभी 1.65 लाख डाकघरों और प्रशासनिक इकाइयों में उन्नत डाक प्रौद्योगिकी (एपीटी) 2.0 के देशव्यापी रोलआउट के माध्यम से इस रूपांतरकारी उर्जा में और अधिक वृद्धि हुई है। साथ ही, अब डेटा विशलेषिकी की तमाम परतों के एकीकरण के पश्चात, एपीटी 2.0 न केवल प्रचालगत दक्षता में सुधार करने में सहायक सिद्ध होगा; बल्कि नागरिकों के साथ जुड़ाव और डिजिटल सेवा डिलीवरी के नए मार्ग भी प्रशस्त करेगा।

इस माह की उपलब्धियों पर विचार करते हुए जो बात सबसे अलग दिखाई पड़ती है- वह है, डाक विभाग पर भारत के लोगों का अटूट विश्वास। डाक विभाग द्वारा डिलीवर किया गया प्रत्येक पत्र, प्रत्येक सेवित पेंशनभोगी, सुपुर्द किया गया प्रत्येक पार्सल और वह प्रत्येक डिजिटल सेवा जो नागरिक तक पहुंची है, नागरिकों और इस ऐतिहासिक संस्थान के संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ बनाती है। भारतीय डाक हमारे लिए सुलभता, भरोसे और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। समय के साथ-साथ, हम नवाचार और उत्कृष्ट सेवा के माध्यम से लोगों की बढ़ती उम्मीदों पर खरा उतरने के प्रति संकल्पबद्ध हैं। आपके अनवरत सहयोग से भारतीय डाक निरंतर विकसित और आधुनिकीकृत होता रहेगा तथा उसी महान भाव से सेवा करता रहेगा, जो पिछले 170 वर्षों से भी अधिक समय से इस विभाग को परिभाषित करती रही है।

भवदीय,

ज्योतिरादित्य मा. सिंधिया
संचार मंत्री, भारत सरकार

बालिका सशक्तीकरण : 20,000 सुकन्या समृद्धि योजना खाते खोले गए

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा आंध्र प्रदेश के पुट्टपर्थी में वित्तीय समावेशन की एक महत्वपूर्ण पहल का शुभारंभ किया गया, जहाँ 20,000 से अधिक बालिकाओं के सुकन्या समृद्धि खाते खोले गए। इसके अलावा, प्रधानमंत्री द्वारा तीन लाभार्थियों को भारतीय डाक पासबुक भी सौंपी गई, जो इस व्यापक प्रयास की प्रतीकात्मक और प्रेरणादायक शुरुआत थी।

यह पहल श्री सत्य साईं बाबा के जन्म शताब्दी समारोह के एक भाग के रूप में शुरू की गई थी, जो इसे और भी विशेष बनाती है। यह अभियान बालिकाओं को सशक्त बनाने और भारतीय डाक के विश्वसनीय नेटवर्क के माध्यम से उनकी वित्तीय सुरक्षा सुदृढ़ करने की सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

डाक सेवा कर्मचारी कल्याण बोर्ड की 13वीं बैठक

माननीय केंद्रीय संचार एवं उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री, श्री ज्योतिरादित्य मा. सिंधिया द्वारा डाक सेवा कर्मचारी कल्याण बोर्ड की 13वीं बैठक की अध्यक्षता की गई, जिसमें बोर्ड के सदस्यों ने डाक कर्मचारियों के हितार्थ कल्याणकारी उपायों में वृद्धि करने हेतु विभिन्न बहुमूल्य सुझाव दिए।

बैठक के दौरान, माननीय मंत्री जी ने सुझाव दिया कि ग्रामीण डाक सेवकों (जीडीएस) के समक्ष आने वाली चुनौतियों और उनके अनुभवों को व्यवस्थित रूप से प्रलेखित किया जाना चाहिए ताकि डाक सेवाओं को और अधिक कुशल, निर्बाध और जन-केंद्रित बनाया जा सके।

इस दृष्टिकोण के साथ, भारतीय डाक का उद्देश्य केवल उत्कृष्ट सेवा प्रदाता के रूप में उभरना ही नही है, बल्कि एक ऐसा आदर्श संगठन बनना है जो अपने कर्मचारियों को महत्व देता है और उनका सशक्तिकरण करता है।

भारतीय डाक के लिए नया मार्ग प्रशस्त करना

माननीय संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री, डॉ. चंद्र शेखर पेम्मासानी ने डिजिटल उपकरणों को संवर्धित करने तथा और अधिक सरल 'कार्य-प्रदर्शन डैशबोर्ड' विकसित करने के संबंध में भारतीय डाक अधिकारियों के साथ सार्थक बैठक की। इस योजना में अनेकानेक संकेतकों को कुछेक स्पष्ट, उपयोगकर्ता-अनुकूल मेट्रिक्स के रूप में समेकित करना, जानकारियों को सरल एवं बोधगम्य बनाना और, त्वरित तथा डेटा-आधारित निर्णय क्षमता विकसित करना शामिल है।

बैठक में, डिलीवरी कार्य-प्रदर्शन, शिकायत निवारण तंत्रों और मॉनीटरिंग प्रणालियों की भी समीक्षा की गई। इन सुधारों का उद्देश्य डाक टीमों को स्मार्ट ढंग से काम करने तथा नागरिकों की और अधिक दक्षता से सेवा करने में सशक्त बनाना है, ताकि वे सेवाओं की त्वरित डिलीवरी, समस्याओं का तुरंत समाधान तथा और अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित कर सकें।

डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी ने भारतीय डाक विभाग में राजस्व लिकेज को रोकने के उपायों पर केंद्रित एक अन्य समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने प्रौद्योगिकी, डेटा-विश्लेषण और प्रक्रियागत सुधारों के उपयोग से पूर्वानुमान और निवारण प्रदान करने वाली मॉनीरिंग प्रणालियों की आवश्यकता पर बल दिया।

ये प्रणालियाँ, रियल टाइम मॉनीटरिंग, धोखाधड़ी का पता लगाना और निर्बाध सत्यापन करने को सक्षम करेंगी, जिससे जनता की मेहनत की कमाई सुरक्षित रहे। साथ ही, इससे डिजिटल उपकरणों के संवर्धन और सेवाओं की त्वरित तथा पारदर्शी ढंग से डिलीवरी हेतु डाक टीमों को सशक्त बनाने के लिए चल रहे प्रयासों को भी बल मिलेगा।

भारत और फिलीपींस: विश्वास की मुहर

फिलीपींस के राजदूत श्री जोसेल एफ. इग्नासियो ने सचिव (डाक) सुश्री वंदिता कौल और भारतीय डाक विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान, राजदूत महोदय ने संयुक्त राष्ट्र स्थापना और इस संगठन में अपने देश की सदस्यता के 80 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में फिलीपींस द्वारा जारी किया गया स्मारक डाक टिकट "UN@80" भेंट किया।

इस मुलाक़ात ने भारत और फिलीपींस के डाक प्रशासनों के बीच सहयोग की भावना को प्रदर्शित किया और डाक सेवा के क्षेत्र में निरंतर सहयोग और ज्ञान के आदान-प्रदान का मार्ग प्रशस्त किया।

भारत ने एपीपीयू महासचिव पद के लिए अपना उम्मीदवारी पेश की

सचिव (डाक) सुश्री वंदिता कौल ने जिनेवा में एशिया-प्रशांत डाक संघ के महासचिव पद के दूसरे कार्यकाल (2027-30) के लिए डॉ. विनय प्रकाश सिंह को उम्मीदवार बनाया।

डॉ. सिंह ने एपीपीयू के रूपान्तरण संबंधी कार्य को जारी रखने, क्षेत्रीय संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने, डिजिटल और धारणीय प्रगति, आमजन के सशक्तिकरण, और उसे लचीला तथा समावेशी संघ बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

नई पीढ़ी के (जेन ज़ी-रेडी) डाकघर

आईआईटी हौज़ खास डाकघर, नई दिल्ली

वीडियो देखने के लिए इस QR कोड को स्कैन करें

कृषि विश्वविद्यालय परिसर, पालमपुर, हिमाचल प्रदेश

दिल्ली विश्वविद्यालय उप डाकघर, नई दिल्ली

सुश्री वन्दिता कौल द्वारा नई दिल्ली में, नवीनीकृत आईआईटी हौज़ खास डाकघर का उद्घाटन किया गया। यह आधुनिकीकृत सुविधा विशेष रूप से छात्र वर्ग के लिए तैयार की गई है। इसके जीवंत भित्ति चित्र और रचनात्मक चीजें आईआईटी दिल्ली के छात्रों के साथ मिलकर, नए इंटीरियर के रूप में डिज़ाइन किए गए हैं। यह सुविचारित डिज़ाइन न केवल सौंदर्यपरक है, बल्कि छात्रों के लिए आकर्षण के केंद्र के रूप में भी कार्य करता है और स्वागत का अनुभव कराता है। नवीनीकरण का यह कार्य युवा-केन्द्रित डिज़ाइन, आधुनिक अवसंरचना, मुफ़्त वाई-फ़ाई और कॉफ़ी व चाय की वेंडिंग मशीनों से सुसज्जित बेहतर सेवा वातावरण के माध्यम से उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाने के भारतीय डाक के निरंतर प्रयासों को दर्शाता है। अपने आधुनिकीकरण अभियान को जारी रखते हुए, भारतीय डाक ने दिल्ली विश्वविद्यालय डाकघर और हिमाचल प्रदेश के पालमपुर स्थित कृषि विश्वविद्यालय परिसर के नवीनीकृत परिसरों का उद्घाटन किया। यह पहल जनवरी-2026 तक विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में स्थित 46 डाकघरों को आधुनिक बनाने की व्यापक योजना का हिस्सा है। इसका उद्देश्य नई पीढ़ी (जनरेशन ज़ी) के साथ जुड़ाव को और सुदृढ़ करना और इन परिसरों में सेवाओं की सुलभता में सुधार करना है। रूपान्तरण के इस कार्य में, आधुनिक सुविधाएँ और उपयोगकर्ता-अनुकूल डिज़ाइन उपलब्ध कराना शामिल हैं, ताकि डाकघर कुशल, सुलभ और छात्र-अनुकूल केन्द्र के रूप में कार्य कर सकें।

वंदे मातरम के 150 वर्ष

सुश्री वन्दिता कौल, सचिव (डाक) के नेतृत्व में सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत गाकर भारतीय डाक ने वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने का स्मरणोत्सव मनाया। भारत के स्वतंत्रता संग्राम को प्रज्वलित करने वाले और एकता, गौरव और देशभक्ति की प्रेरणा देने वाले इस अमर गीत का सम्मान करने के लिए वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी डाक भवन, नई दिल्ली में एकत्रित हुए।

नशा मुक्त भारत अभियान

सुश्री वन्दिता कौल, सचिव (डाक) ने डाक भवन, नई दिल्ली के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ नशा मुक्त भारत अभियान के तहत नशा मुक्त भारत के निर्माण में योगदान देने की शपथ ली।

इस शपथ ने जागरूकता फैलाने, बदलाव लाने और एक स्वस्थ, व्यसन मुक्त समाज सुनिश्चित करने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

संविधान का सम्मान

सुश्री वन्दिता कौल, सचिव (डाक) के नेतृत्व में संविधान दिवस पर डाक भवन में अधिकारियों ने संविधान की उद्देशिका पढ़ी। इस अवसर पर भारतीय डाक की उन संवैधानिक मूल्यों के प्रति समर्पण की पुष्टि की गई जो राष्ट्र के प्रति हमारे कार्य और सेवा को आकार देते हैं।

आईएमएस कार्यशाला: डाक बीमा का आधुनिकीकरण

8 नवंबर 2025 को चेन्नई में दो दिवसीय पीएलआई-आरपीएलआई कार्यशाला आयोजित की गई, जो डाक प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केंद्र (सीईपीटी) द्वारा नए बीमा प्रबंधन समाधान (आईएमएस) विकसित करने पर केंद्रित थी।

कार्यशाला में श्री जितेंद्र गुप्ता, महानिदेशक (डाक), सीजीएम (पीएलआई), महाराष्ट्र और असम के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया, जिन्होंने नई प्रणाली के कार्यान्वयन और प्रभावशीलता को मजबूत करने के लिए चर्चा और विचार-विमर्श किया।

आईएफएफआई 2025 में डाक-टिकटों के माध्यम से भारतीय सिनेमा का उत्सव मनाया गया

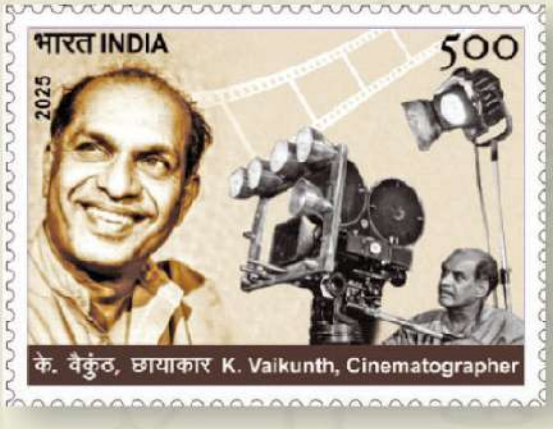

श्री सी. अप्पू कुट्टी को माय स्टांप शीट भेंट की गई

माय स्टांप शीट के साथ दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर

भारतीय डाक, महाराष्ट्र सर्कल द्वारा आईएफएफआई गोवा 2025 में भारतीय सिनेमा पर एक विशेष डाक-टिकट प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम में श्री अमिताभ सिंह, मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, महाराष्ट्र सर्कल और गोवा क्षेत्र के डीपीएस, श्री रमेश पाटिल उपस्थित थे। विभिन्न क्षेत्रों के डाक-टिकट संग्रहकर्ताओं के योगदान के साथ कला अकादमी, पणजी में आयोजित इस प्रदर्शनी में भारतीय सिनेमा की समृद्ध विरासत का उत्सव मनाते हुए 20 चयनित (क्यूरेटेड) फ्रेम प्रदर्शित किए गए। इस प्रदर्शनी में आईएफएफआई प्रतिनिधियों, डाक-टिकट संग्रहकर्ताओं, कला और फिल्म समुदाय एवं आम जनता की उत्साहपूर्वक भागीदारी देखी गई, जो विविध रचनात्मक अभिव्यक्तियों का उत्सव मनाने में आईएफएफआई की सहयोगी भावना को प्रतिबिंबित करता है। इस उत्सव के दौरान महान सिनेमैटोग्राफर के. वैकुंठ के सम्मान में एक स्मारक डाक-टिकट जारी किया गया, जिनका कालातीत योगदान भारतीय सिनेमा को प्रेरित कर रहा है। माय स्टांप स्टॉल एक प्रमुख आकर्षण के रूप में सामने आया जहां भारतीय फिल्म जगत की विख्यात हस्तियों ने अपनी कस्टमाइज्ड स्टांप बनवाई जिससे इस आयोजन के रौनक और आकर्षण में चार चांद लग गए।

द्वार पर डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र संबंधी सेवाएं प्रदान करने के लिए आईपीपीबी द्वारा ईपीएफओ के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) ने ईपीएस'95 के अंतर्गत ईपीएफओ पेंशनभोगियों को उनके द्वार पर निःशुल्क डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र (डीएलसी) सेवाएं प्रदान करने के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। ईपीएफओ के 73वें स्थापना दिवस के अवसर पर डॉ. मनसुख मांडविया, केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा मामले एवं खेल मंत्री, सुश्री वंदना गुरनानी, सचिव (श्रम एवं रोजगार), सीबीटी के सदस्य तथा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, ईपीएफओ व आईपीपीबी के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में, श्री आर. विश्वेश्वरन, एमडी एवं सीईओ, आईपीपीबी और श्री रमेश कृष्णमूर्ति, सीपीएफसी, ईपीएफओ के बीच इस समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया गया।

आईपीपीबी, द्वार पर सुविधाएं प्रदान करने के उपकरणों से लैस अपने 1.65 लाख डाकघरों और 3 लाख से अधिक डाकियों/जीडीएस के विशाल नेटवर्क का लाभ उठाकर पेंशनभोगियों को चेहरे के प्रमाणीकरण (फेस ऑथेंटिकेशन) या फिंगरप्रिंट बायोमेट्रिक्स का उपयोग करके घर बैठे ही अपनी डीएलसी जमा करने में सक्षम करेगा। भारतीय डाक, पेंशनभोगियों के लिए डीएलसी सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान भी चला रहा है, जिसमें उन्हें समय पर और बिना किसी परेशानी के डीएलसी जमा करना सुनिश्चित करने के लिए द्वार पर सहायता प्रदान की जा रही है। यह पहल सरकार के डिजिटल इंडिया और ईज ऑफ लिविंग विजन का समर्थन करती है, जिससे वरिष्ठ नागरिकों को परेशानी मुक्त, सम्मानजनक सेवाएं मिलती हैं।

स्वास्थ्य-सेवाओं को मजबूत बनाना : भारतीय डाक ने एनएचएम झारखंड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं

भारतीय डाक के झारखंड सर्कल द्वारा नामकुम, रांची स्थित एनएचएम कार्यालय में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), झारखंड सरकार के साथ एक राज्य स्तरीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस समझौते का उद्देश्य राज्य भर में परिवार नियोजन सामग्री का समय पर परिवहन और वितरण सुनिश्चित करके एनएचएम के आदर्श वाक्य, "स्वस्थ झारखंड, सुखी झारखंड" को पूरा करना है।

इस समझौता ज्ञापन पर श्री शशि प्रकाश झा, मिशन निदेशक, एनएचएम झारखंड और श्री आर.वी. चौधरी, निदेशक डाक सेवाएं, झारखंड सर्कल द्वारा हस्ताक्षर किए गए। 4,500 से अधिक डाकघरों और 14 एकीकृत वितरण केंद्रों के विशाल नेटवर्क के साथ भारतीय डाक, इन आवश्यक सामग्रियों को शीघ्र और विश्वसनीयता से वितरित करने में सक्षम है।

इस साझेदारी के तहत, भारतीय डाक अपनी भारतीय डाक पार्सल सेवा का उपयोग एनएचएम द्वारा निर्धारित स्थानों से जिला मुख्यालयों, ब्लॉक मुख्यालयों और ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों तक परिवार नियोजन सामग्री को पहुंचाने के लिए करेगा। इस सहयोग से अंतिम मील डिलिवरी में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिससे आवश्यक स्वास्थ्य सामग्री को समय पर दूरदराज के लोगों तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जा सकेगा।

प्रत्येक बच्चे के लिए एक समावेशी और कनेक्टिड भविष्य

बाल दिवस के अवसर पर देशभर में बाल चौपालों का आयोजन किया गया, जिससे बच्चों का पूरा दिन जिज्ञासा, कहानियों और खुशियों से भर गया।

इस उत्सव को और भी सार्थक बनाने के लिए देशभर में आधार नामांकन शिविर लगाए गए, जिनमें बच्चों को अपना पहला आधार कार्ड आसान, सुरक्षित तरीके और बिना किसी परेशानी के प्राप्त करने में मदद की गई।

स्वच्छता पखवाड़ा

भारतीय डाक ने, 14 से 30 नवंबर, 2025 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया और स्वच्छता और पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई गई। देश-भर के डाक सर्कलों ने स्वच्छ और हरित पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण अभियान और जागरूकता अभियान सहित कई गतिविधियां आयोजित कीं। इस पहल ने निरंतर और सामूहिक कार्रवाई के माध्यम से राष्ट्रीय स्वच्छता प्रयासों में सार्थक योगदान देने के लिए भारतीय डाक की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

तमिलनाडु

पश्चिम बंगाल

राजस्थान

दिल्ली

हरियाणा

डाक नायक

वीडियो देखने के लिए इस QR कोड को स्कैन करें

बस्तर डिविजन के डायरेक्ट एजेंट श्री सपन कुमार धर ने, 140 करोड़ रुपए के सुनिश्चित बीमा पोर्टफोलियो के साथ पीएलआई में निरंतर नए मानक स्थापित किए हैं। लोगों की सेवा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता इस क्षेत्र के अन्य लोगों के लिए एक आदर्श है।

मध्य प्रदेश के मंडला जिले का एक आदिवासी गांव घुटास, ग्रामीण डाक सेविका सुश्री रागिनी राजपुत की समर्पण भावना से प्रेरणादायक बदलाव का साक्षी बन रहा है।

अपनी समर्पित सेवा से, वह ग्रामीणों को आवश्यक डाक सेवाओं से जोड़कर उन्हें विकास की मुख्यधारा में ला रही हैं।

वीडियो देखने के लिए इस QR कोड को स्कैन करें

वीडियो देखने के लिए इस QR कोड को स्कैन करें

छत्तीसगढ़ सर्कल के भीमकन्हार गाँव में, शाखा पोस्टमास्टर श्रीमती मनीषा आर्या ने भारतीय डाक की वित्तीय सेवाओं के माध्यम से समुदाय को सशक्त बनाया है।

उनके समर्पण और निरंतर प्रयासों की बदौलत, अब गांव के लगभग प्रत्येक घर में औसतन दो सदस्यों का ग्रामीण डाक जीवन बीमा के अंतर्गत बीमा हो रखा है।

विशेष सुविधा

वीडियो देखने के लिए
इस QR कोड को स्कैन करें

भारत के सुदूर इलाकों से लेकर आदिवासी इलाकों तक, विकास की प्रत्येक कहानी का भारतीय डाक से गहरा रिश्ता है।

वित्तीय समावेशन, डिजिटल सेवाओं और सामुदायिक सशक्तिकरण के माध्यम से, डाक कर्मचारी नए भारत के सच्चे नायक बनकर उभर रहे हैं। जनजातीय दिवस के अवसर पर, भारतीय डाक ने जनजातीय क्षेत्रों में जीवन में बदलाव लाने और जनसेवा के अपने संकल्प को पुनः सुदृढ़ किया।

वीडियो देखने के लिए
इस QR कोड को स्कैन करें

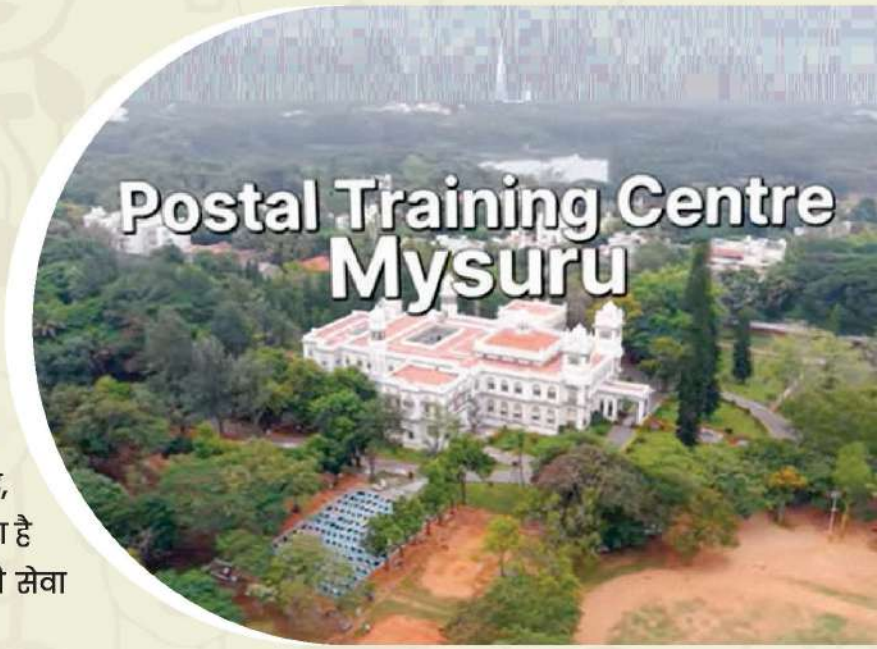

डाक प्रशिक्षण केंद्र (पीटीसी) मैसूर भारतीय डाक की चिरस्थायी विरासत और दूरदर्शी दृष्टिकोण का प्रमाण है। नेतृत्व, समावेशिता और जनसेवा पर विशेष बल देते हुए, पीटीसी मैसूर ऐसे समर्पित डाक पेशेवरों को तैयार करता है जो उत्कृष्टता, निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ राष्ट्र की सेवा करते हैं।

फिलैटली कॉर्नर : डाक-टिकट और कहानियां

वंदे मातरम के 100 वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक अवसर पर, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इस शाश्वत राष्ट्रीय गीत के सम्मान में एक स्मारक डाक-टिकट जारी किया। इस कार्यक्रम में इस गीत की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और भावनात्मक विरासत का भी समारोह मनाया गया, और भारत की पहचान में इसके योगदान तथा आत्मविश्वास और सामूहिक उद्देश्य के साथ आगे बढ़ते राष्ट्र की आकांक्षाओं को आकार देने में इसकी स्थायी महत्व पर प्रकाश डाला गया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री एन. चंद्रबाबू नायडू, श्री सचिन तेंदुलकर, श्रीमती ऐश्वर्या राय बच्चन, श्री आर.जे. रत्नाकर और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में, पुट्टपर्थी में श्री सत्य साईं बाबा की जन्म शताब्दी के अवसर पर चार स्मारक टिकटों की एक लघु शीट जारी की। इस अवसर पर सत्य साईं बाबा की विरासत और श्री सत्य साईं सेंट्रल ट्रस्ट द्वारा निर्मित संस्थाओं पर प्रकाश डाला गया।

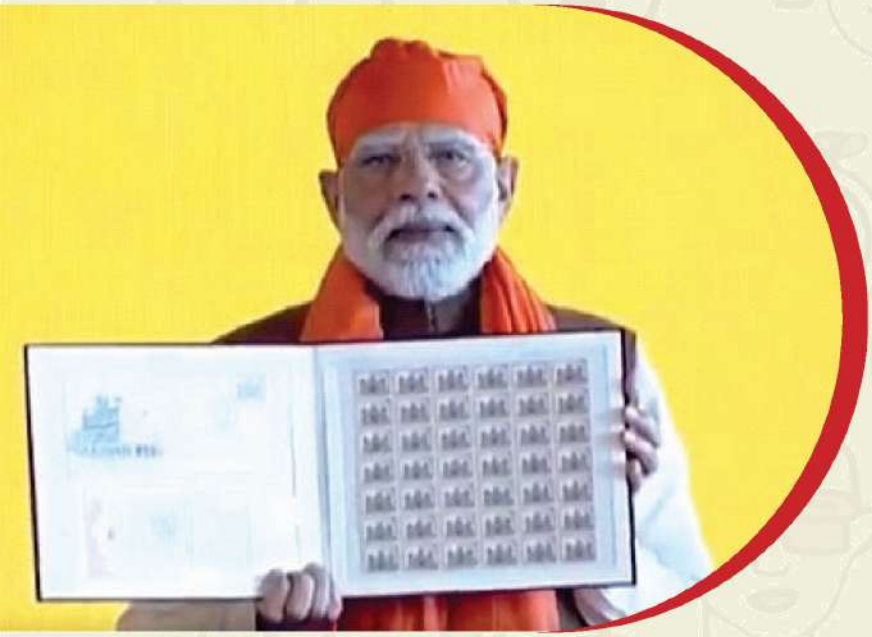

माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नौवें सिख गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी के अद्वितीय बलिदान, आध्यात्मिक साहस और कालातीत विरासत के सम्मान में उनके 350वें शहीदी दिवस पर एक विशेष स्मारक डाक टिकट जारी किया। श्री गुरु तेग बहादुर जी ने धार्मिक आस्था की स्वतंत्रता और मानवता की गरिमा की रक्षा के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया।

लखनऊ के डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में 19वें राष्ट्रीय जम्बूरी के उद्घाटन के अवसर पर, उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की हीरक जयंती के उपलक्ष्य में एक स्मारक डाक टिकट जारी किया गया। इस कार्यक्रम में लखनऊ की मेयर श्रीमती शुष्मा खरकवाल, उत्तर प्रदेश सर्कल के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल श्री प्रणव कुमार और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

महाराष्ट्र और गुजरात के माननीय राज्यपाल, श्री आचार्य देवव्रत द्वारा राजभवन में आचार्य जवाहर लाल महाराज की 150वीं जयंती पर एक स्मारक डाक टिकट जारी किया गया। इस अवसर पर पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाबचंद कटारिया, महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री श्री मंगल प्रभात लोढ़ा, महाराष्ट्र सर्कल के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल श्री अमिताभ सिंह और जसकरण बोथरा फाउंडेशन के ट्रस्टी श्री सिद्धार्थ बोथरा भी उपस्थित थे। यह आचार्य की चिरस्थायी विरासत के प्रति एक भावभीनी श्रद्धांजलि है।

आईआईटी खड़गपुर की प्लेटिनम जयंती के उपलक्ष्य में 24 नवंबर 2025 को श्रीनिकेतन, पश्चिम बंगाल में पश्चिम बंगाल सर्कल के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल श्री अशोक कुमार द्वारा एक स्मारक डाक टिकट जारी किया गया। इस समारोह में आईआईटी खड़गपुर की निदेशक डॉ. सुमन चक्रवर्ती, यूएस, वाणिज्य दूतावास कोलकाता की माननीय महावाणिज्य दूत सुश्री कैथी जाइल्स-डियाज़ और अन्य विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा श्री संस्थान गोकर्ण पर्तगाली जीवोत्तम मठ के सार्ध पंचशतामोत्सव (550वें वर्ष) के उपलक्ष्य में एक कस्टमाइज्ड माय स्टांप का विमोचन किया गया। यह विमोचन गोवा के माननीय राज्यपाल, महाराष्ट्र सर्कल के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल श्री अमिताभ सिंह और गोवा डाक सर्कल के वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।

एनएचपीसी लिमिटेड ने स्वच्छ ऊर्जा के माध्यम से भारत को सशक्त बनाने के 50 वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में, माननीय केंद्रीय विद्युत मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर, श्री भूपेंद्र गुप्ता (सीएमडी, एनएचपीसी) और श्री सचिन किशोर (सीपीएमजी, हरियाणा सर्कल) की उपस्थिति में फरीदाबाद में एक विशेष माय स्टांप का अनावरण किया गया।

एकीकृत बाल विकास योजना (आईसीडीएस) के 50 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर त्रिपुरावासिनी पैलेस ग्राउंड में आयोजित आईसीडीएस स्वर्ण जयंती समारोह में, कर्नाटक के माननीय मुख्यमंत्री श्री सिद्धारमैया की उपस्थिति में विशेष कॉर्पोरेट माय स्टांप का औपचारिक रूप से विमोचन किया गया।

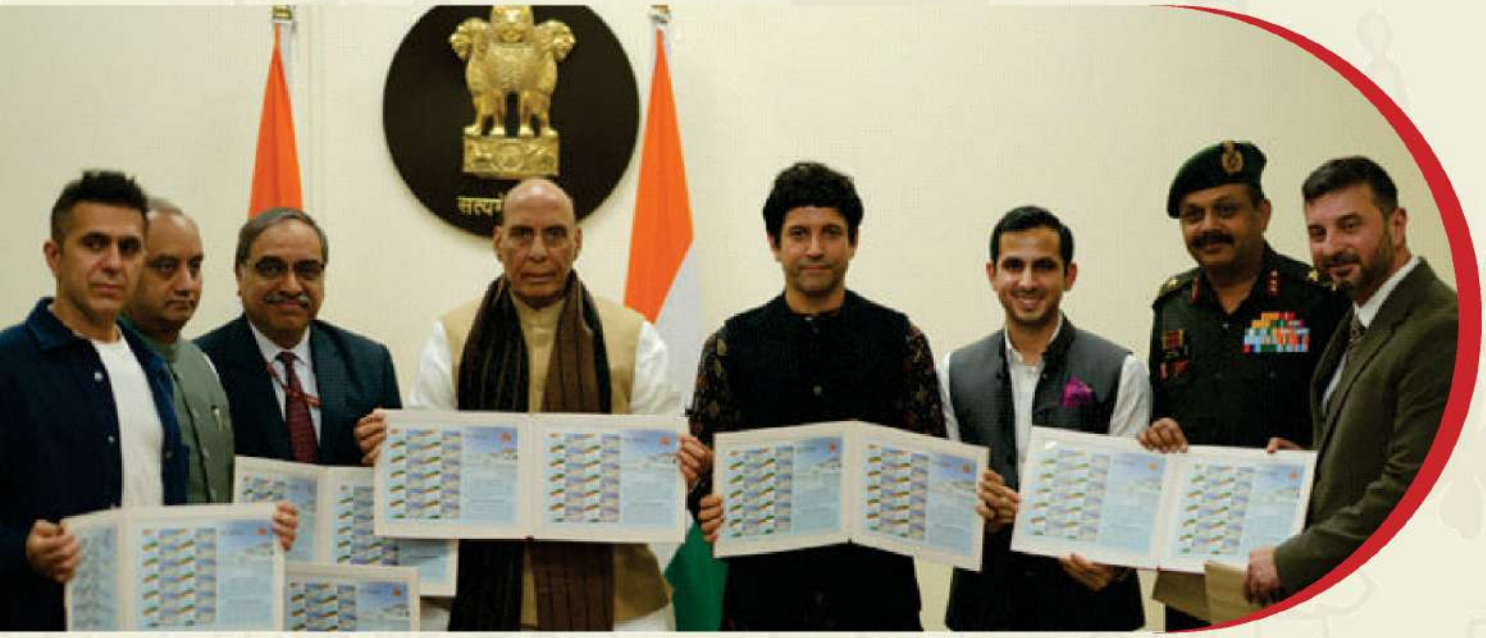

माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह, श्री जितेंद्र गुप्ता, महानिदेशक (डाक सेवाएं) और अभिनेता फरहान अख्तर द्वारा नई दिल्ली में लद्दाख के अहीर धाम स्थित रेजांग ला युद्ध स्मारक पर एक विशेष डाक टिकट जारी किया गया। यह डाक टिकट भारतीय सेना की 13वीं कुमाऊँ रेजिमेंट के पराक्रम के प्रति श्रद्धांजलि है, जिन्होंने 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान राष्ट्र की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी थी।

महाराष्ट्र और गुजरात के माननीय राज्यपाल, श्री आचार्य देवरात जी द्वारा निसर्ग ग्राम, येओलेवाड़ी में 8वें प्राकृतिक चिकित्सा दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान, पुणे पर एक कस्टमाइज्ड माय स्टांप जारी किया गया।

भारतीय डाक ने भारत की अग्रणी क्रेडिट सूचना कंपनी, ट्रांसयूनियन क्लब ऑफ बिल एंड मेल (ट्रांसयूनियन सिबिल) के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक विशेष 'माय स्टांप' जारी कियां। इस विशेष 'माय स्टांप' का अनावरण मुंबई में आयोजित एक समारोह में किया गया, जहां नवी मुंबई क्षेत्र की पोस्टमास्टर जनरल श्रीमती सुचिता जोशी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

छत्तीसगढ़ डाक सर्कल ने राष्ट्रीय सुपरक्रॉस बाइक रेसिंग चैंपियनशिप में एक विशेष विरूपण कैशे के साथ एक चित्र पोस्टकार्ड जारी किया। निदेशक, डाक सेवाएं ने औपचारिक रूप से बाइकर्स को ये पोस्टकार्ड सौंपे, जिन्हें बाइकर्स ने अपनी राइड के दौरान गर्व से अपने साथ रखा, जिससे इस आयोजन में एक अनोखा और यादगार अनुभव जुड़ गया। इस समारोह में छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय अभिनेता और विधायक श्री अनुज शर्मा और छत्तीसगढ़ मोटर स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री उज्ज्वल दीपक विशेष रूप से उपस्थित रहे।

तेलंगाना सर्कल ने जनजातीय गौरव दिवस 2025 के अवसर पर तेलंगाना के जनजातीय नृत्यों पर एक विशेष कवर जारी किया। इस कार्यक्रम में श्री जतोथु हुसैन नायक, माननीय सदस्य, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, सुश्री मनीषा सिन्हा, सदस्य (एफएस), डाक सेवा बोर्ड, डॉ. वीना कुमारी सीपीएमजी (तेलंगाना सर्कल) और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

महाराष्ट्र सर्कल की निदेशक डाक सेवाएं (मुख्यालय) सुश्री सिमरन कौर ने सर्कल कार्यालय, मुंबई में संविधान दिवस के अवसर पर एक विशेष विरूपण कैशे का अनावरण किया, जो हमारे संविधान के मूल्यों और मार्गदर्शक सिद्धांतों के सम्मानस्वरूप है।

भारतीय डाक, महाराष्ट्र सर्कल ने सभी छह फिलैटेलिक ब्यूरो में एक विशेष विरूपण कैशे जारी किया, जिसमें सुश्री हर्षला सावंत द्वारा निर्मित वारली शैली के खूबसूरत चित्र शामिल हैं – जो भारत के स्वदेशी समुदायों की संस्कृति, जीवन और विरासत को दर्शाते हैं।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम द्वारा आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 जीतने की गौरवपूर्ण और ऐतिहासिक उपलब्धि के सम्मान में, महाराष्ट्र एवं गोवा सर्कल की डीपीएस (मुख्यालय) सुश्री सिमरन कौर ने मुंबई में डॉ. सुधीर जाखड़े, एपीएमजी (बीडी) और श्री यादगिरी न्यालापेल्ली, एडीपीएस (पीएसआर) की उपस्थिति में एक विशेष विरूपण कैशे जारी किया। यह विशेष विरूपण कैशे भारतीय महिला क्रिकेट की भावना को खूबसूरती से दर्शाता है और खेल एवं फिलैटली दोनों में एक यादगार उपलब्धि को चिह्नित करता है।

छत्तीसगढ़ डाक सर्कल ने भारत की महिला विश्व कप चैंपियन टीम के सम्मान में एक विशेष स्मारक कैशे का अनावरण किया। यह पहल, टीम की महान उपलब्धि के सम्मानस्वरूप है और राष्ट्र के सामूहिक गौरव का प्रतीक है।

हाइलाइट्स

डाक विभाग की वार्षिक क्षमता निर्माण योजना (एसीबीपी) के भाग के रूप में, रफी अहमद किदवई राष्ट्रीय डाक अकादमी (आरएकेएनपीए) ने आईआईएम नागपुर में विभिन्न संवर्गों के अधिकारियों के लिए "सांख्यिकी और डेटा विश्लेषण" पर दो आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

"डाक ई-कॉमर्स और डिजिटल सेवाएं" विषय पर अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों ने ई-कॉमर्स लॉजिस्टिक्स और डिजिटल सेवा डिलीवरी का समर्थन करने वाली भारतीय डाक की तकनीकी अवसंरचना को समझने के लिए नई दिल्ली स्थित स्वचालित डाक प्रोसेसिंग केंद्र (एएमपीसी) का दौरा किया। इस दौरे से स्वचालन, दक्षता और नवोन्मेष के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्राप्त हुई, जो तेजी से विकसित हो रहे डिजिटल और ई-कॉमर्स इको-सिस्टम में भारतीय डाक की भूमिका को सशक्त बनाती है।

आंध्र प्रदेश सर्कल की मुख्य पोस्टमास्टर जनरल सुश्री बी.पी. श्रीदेवी ने विशाखापत्तनम में 40वीं अखिल भारतीय डाक टेबल टेनिस प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। इस अवसर पर, 40वीं प्रतियोगिता के उपलक्ष्य में एक विशेष आवरण (40वां संस्करण) भी जारी किया गया, जिसमें भारतीय डाक समुदाय की खेल भावना का उत्सव मनाया गया है। 14 नवंबर, 2025 को इस प्रतियोगिता का समापन हुआ, जिसमें पुरुष और महिला सिंगल दोनों स्पर्धाओं में पश्चिम बंगाल सर्कल ने स्वर्ण पदक जीते और महिला टीम चैंपियनशिप में भी जीत हासिल की। तेलंगाना सर्कल ने पुरुष टीम चैंपियनशिप और गुजरात सर्कल ने मिक्स डबल चैंपियनशिप में जीत हासिल की।

36वीं अखिल भारतीय डाक एथलेटिक्स एवं साइक्लिंग प्रतियोगिता का आयोजन पोरबंदर, गुजरात में किया गया, जिसमें 12 राज्यों के सर्कलों से 163 प्रतिभागियों ने 22 पुरुष वर्ग और 14 महिला वर्ग स्पर्धाओं में पूरे जोश के साथ भाग लिया। 3 नवंबर, 2025 को इस प्रतियोगिता (वर्ष 2025-26) का समापन एक भव्य समारोह के साथ हुआ जिसमें एथलीटों के समर्पण, परिश्रम और अनुकरणीय खेल भावना का सम्मान करते हुए पदक और पुरस्कार प्रदान किए गए।

रानीपेट प्रधान डाकघर, तमिलनाडु सर्कल द्वारा रामकृष्ण भेल मैट्रिक हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित "ढाई आखर" पत्र लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पत्र लेखन कला का प्रदर्शन किया गया, जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी लेखन प्रतिभा का प्रभावशाली रूप में प्रदर्शन किया।

21.11.2025 को महाराष्ट्र के सीएसएमटी एक्वा लाइन मेट्रो स्टेशन पर एक नए सर्विस डेस्क (एक्सटेंशन काउंटर) और एक थीमेटिक आर्ट संस्थापना का उद्घाटन किया गया, जिससे यात्रियों के लिए अंतिम-मील कनेक्टिविटी सुदृढ़ हुई।

बचपन स्कूल, नाचरम के छात्रों ने तेलंगाना के जामा-ए-उस्मानिया डाकघर का दौरा किया, जहां उन्होंने डाक प्रणाली के एक रोचक और शैक्षणिक टूर का आनंद लिया। उनकी इस यात्रा का मुख्य आकर्षण माननीय प्रधानमंत्री को हस्तलिखित पोस्टकार्ड भेजना था, जिससे उन्हें सीखने और नागरिक जागरूकता का एक यादगार अनुभव प्राप्त हुआ।

कर्नाटक डाक सर्कल ने 4 से 5 नवंबर, 2025 तक बेंगलूरुपैक्स का आयोजन किया, जिसमें लोगों को फिलैटली की दुनिया की एक जीवंत और आकर्षक यात्रा कराई गई। इस प्रदर्शनी में डाक-टिकटों की एक प्रभावशाली श्रृंखला प्रदर्शित की गई, जो लिफाफों से कहीं अधिक कहानियां समेटे हुए हैं, जिसने संग्रहकर्ताओं, उत्साही व्यक्तियों और आमजन, सभी को समान रूप से खुशी प्रदान की।

पणजी में जिला स्तरीय डाक टिकट प्रदर्शनी, गोवापैक्स 2025 का उद्घाटन किया गया, जिसमें गोवा की समृद्ध संस्कृति, विरासत और फिलैटली की चिरस्थायी विरासत को प्रदर्शित किया गया। इस प्रदर्शनी में डाक-टिकटों के माध्यम से प्रदर्शित कला और इतिहास का उत्सव मनाने के लिए संग्रहकर्ता, उत्साही व्यक्ति और आमजन एक साथ एकत्र हुए। इस कार्यक्रम के दौरान, विशेष कवर, जीआई-थीम वाले चित्र पोस्टकार्ड और चित्रमय विरूपण जारी किए गए, जिनमें से प्रत्येक के द्वारा गोवा की सांस्कृतिक और भौगोलिक पहचान के विशिष्ट पहलुओं को उजागर किया गया।

मैपपैक्स-2025 ने लोगो के लिए डाक-टिकटों की दुनिया के माध्यम से भारत के विज्ञान, संस्कृति और विरासत की एक जीवंत झलक प्रस्तुत की गई। दूसरे दिन, स्कूली बच्चों ने इस प्रदर्शनी में उत्साहपूर्वक भाग लिया और निदेशक डाक सेवाएं, श्री पवन कुमार डालमिया को पोस्टकार्ड भेंट किए। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग, मध्य प्रदेश सर्कल, भोपाल के सीपीएमजी श्री विनीत माथुर, महाप्रबंधक (वित्त), श्री शाह नवाज आलम और डीपीएस (मुख्यालय), श्री पवन कुमार डालमिया की उपस्थिति में इस प्रदर्शनी का समापन हुआ। इस कार्यक्रम के दौरान, टैगोर अंतरराष्ट्रीय साहित्य एवं कला महोत्सव पर एक विशेष आवरण और विरासती-थीम वाले चार चित्र पोस्टकार्ड जारी किए गए।

वीडियो देखने के लिए इस QR कोड को स्कैन करें

आईआईटीएफ 2025, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 14.11.2025 को भारतीय डाक पैविलियन का उद्घाटन कर्नल अखिलेश कुमार पाण्डेय, मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, दिल्ली सर्कल द्वारा किया गया। इस पैविलियन में पीओएसबी, आईपीपीबी, पीएलआई, डीएलसी, फिलैटली, आधार, स्पीड पोस्ट, पार्सल और माय स्टांप सहित भारतीय डाक सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध थी।

लोगों ने मैजिक शो, पत्र और पोस्टकार्ड लेखन, और मोबाइल पत्र-पेटिका मैस्कॉट जैसी इंटरैक्टिव गतिविधियों का भी आनंद उठाया, जिसमें दिनभर लोगों की उत्साहपूर्वक भागीदारी देखी गई।

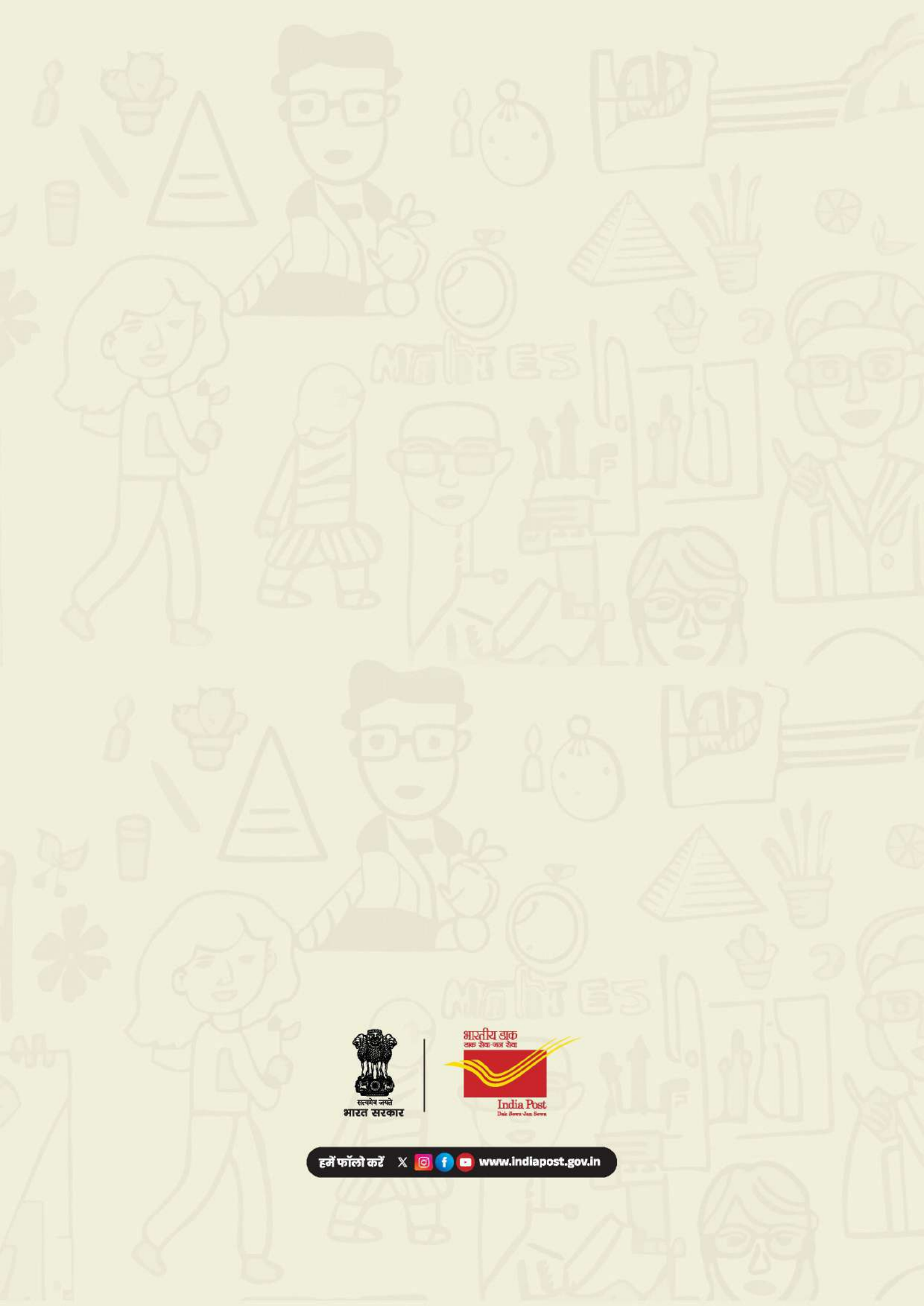

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

भारतीय डाक
डाक सेवा-जन सेवा
India Post
Dak Seva-Jan Seva

हमें फॉलो करें www.indiapost.gov.in